रुबाइयाँ

फ़िराक़ गोरखपुरी

रुबाइयाँ

प्रतिपाद्य — कवि कहता है माँ अपने बच्चे को आँगन में खड़ी होकर अपने हाथों में प्यार से झुला रही है। वह उसे बार-बार हवा में उछाल देती है जिससे बच्चा खिलखिलाकर हँस उठता है। वह उसे साफ़ पानी से नहलाती है तथा उसके उलझे हुए बालों में कंघी करती है बच्चा भी उसे प्यार से देखता है जब वह उसे कपड़े पहनाती है।

दीवाली के अवसर पर शाम होते ही पुते व सजे हुए घर सुंदर लगते हैं। चीनी-मिट्टी के खिलौने बच्चों को खुश कर देते हैं। वह बच्चों के छोटे घर में दीपक जलाती है जिससे बच्चों के चेहरे पर दमक आ जाती है। आसमान में चाँद देखकर बच्चा उसे लेने की जिद पकड़ लेता है। माँ उसे दर्पण में चाँद का प्रतिबिंब दिखाती है और कहती है कि दर्पण में चाँद उतर आया है।

रक्षाबंधन एक मीठा बंधन है। रक्षाबंधन के कच्चे धागों पर बिजली के लच्छे हैं। सावन में रक्षाबंधन आता है। सावन का जो संबंध घटा से है, घटा का जो संबंध बिजली से है, वही संबंध भाई का बहन से है।

गज़ल

प्रतिपाद्य — गज़ल के माध्यम से शायर कहता है कि लोगों ने हमेशा उसपर कटाक्ष किया है और साथ ही उसकी किस्मत ने भी कभी उसका साथ नहीं दिया है। गम हमेशा उससे जुड़ा रहा। उसे लगता है कि जैसे रात का सन्नाटा उसे लिखने के लिए प्रेरित कर रहा है।

वह कहता है प्रेम का मतलब कुछ न चाहिए अंतिम शेर में वह कहता है कि उसकी गज़लों पर मीर की गज़लों का प्रभाव है।

शिल्प सौंदर्य पर आधारित – (रुबाइयाँ)

भाषा – हिंदी, उर्दू और लोकभाषा का अनूठा गठबंधन। खड़ी बोली।
चाँद का टुकड़ा – मुहावरे का प्रयोग
लोका देना, पिन्हाती कपड़े आँचलिक शब्दों का प्रयोग

छंद – रुबाइयाँ
रस – वात्सल्य रस
अलंकार -- रह-रह, हलकी-हलकी, हलके-हलके पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार
बिजली की तरह चमक रहे हैं लच्छे – उपमा अलंकार

शिल्प सौंदर्य पर आधारित — (ग़ज़ल)

भाषा – उर्दू प्रधान खड़ी बोली का प्रयोग। भाषा पर मीर (ग़ज़लकार) का प्रभाव।
छंद – ग़ज़ल
अलंकार – उसी-उसी – पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार
तुम सन्नाटे भी बोले हैं – विरोधाभास अलंकार

ग़ज़ल के भाव –

(1) शायर राखी के लच्छे को बिजली की चमक की तरह कहकर क्या भाव व्यंजित करना चाहता है?

उत्तर - सावन महीने में काली घटाओं के बीच चमकती हुई बिजली बिजलियों में भी भावनाओं का संचार करती है। शायर की गज़ल के लच्छों में बिजली की चमक दिखाई देती है जो भाई - बहन के रिश्ते में नया उत्साह और उल्लास भरता है। सावन का जो संबंध लता से है लता का जो संबंध बिजली से है, वैसा ही मधुर संबंध भाई का बहन से है।

2- खुद का परदा खोलने से क्या आशय है?

उत्तर - खुद का परदा खोलने से आशय है दूसरों की निंदा करके अपने नकारात्मक दृष्टिकोण को अभिव्यक्त करना क्योंकि जिस व्यक्ति का जैसा दृष्टिकोण होता है, वह उसी प्रकार का स्पष्टीकरण करता है।

3- किस्मत हमको रो लेवे है, हम किस्मत को रो ले हैं- इस पंक्ति में शायर की किस्मत के साथ तना - तनी का रिश्ता अभिव्यक्त हुआ है।

उत्तर - समाज की मानसिकता किस्मत को दोष देने की है। प्रायः लोग असफल होने पर अपनी कमियों को नहीं देखना चाहते बल्कि यह कहकर कि भाग्य में ही ऐसा लिखा था, अपनी अकर्मण्यता को छिपाते हैं। शायर कहता है कि किस्मत पर दोषारोपण करने के बजाय मनुष्य को कर्म करते रहना चाहिए।

4- टिप्पणी करें -

(क) - गोदी के चाँद और गगन के चाँद का रिश्ता।

उत्तर - जिस प्रकार आकाश में चाँद जब प्रकट होता है तब संपूर्ण गगन के अंधकार को दूर करता है। रात्रि के समय आकाश चाँदनी में नहाया हुआ

प्रतीत होता है, इसी प्रकार गोदी का चाँद अर्थात पुत्र माता के लिए सर्वस्व होता है। यह गुणवाला में उसकी सेवा करता है। पुत्र के गुणों के कारण ही उसके माता-पिता का नाम रोशन होता है।

अतिरिक्त प्रश्न —

प्रश्न- रुबाई से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- रुबाई उर्दू-फारसी की एक छंद या लेखन शैली है। इसकी पहली-दूसरी और चौथी पंक्ति में तुक मिलाया जाता है और तीसरी पंक्ति स्वच्छंद होती है।

प्रश्न- पाठ्यपुस्तक में संकलित फ़िराक गोरखपुरी की गज़ल का केंद्रीय भाव लिखिए।

उत्तर- फ़िराक गोरखपुरी ने गज़ल में दर्द व फ़िराक का वर्णन किया है। उसने बताया है कि लोगों ने उसे सदा ताने दिए हैं। उसकी किस्मत हमेशा उसे दगा देती रही। दुनिया में केवल गम ही था जो उसके पास रहा। उसे लगता है जैसे रात के सन्नाटे में कोई बोल रहा है। इश्क के बारे में शायर का कहना है कि इश्क वही पा सकता है जो अपना सब कुछ दाँव पर लगा दे। कवि की गज़लों पर मीर की गज़लों का प्रभाव है।

प्रश्न- नीचे लिखे गए काव्य खंड को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

जो मुझको बदनाम करे हैं काश वे इतना सोच सकें
मेरा परदा खोले हैं या अपना परदा खोले हैं।

(क)- कविता का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए—

उत्तर - कविता का भाव यह है कि जो कवि की बुराई दूसरों

भी कर रहे हैं, वे बुराई करते हुए अपनी कमियाँ स्वयं प्रकट कर रहे हैं। इस प्रकार वे अपनी निंदा खुद कर रहे हैं।

2. काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ बताइए-

उत्तर- (i) गज़ल छंद है।
(ii) प्रवाहमयी उर्दू मिश्रित खड़ी बोली का प्रयोग है।
(iii) परदा खोलना मुहावरे का प्रयोग

(3)- 'परदा खोलना' का प्रयोग सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- 'परदा खोलना' के प्रयोग से गज़ल का भाव सौंदर्य बढ़ गया है। यहाँ निंदा करने वाले कवि का परदा खोलना चाहते है अर्थात उसकी बुराई करना चाहते हैं पर इससे उनकी अपनी खुद की कमी उजागर होत रही है।